चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर

दत्त कार्य–1 **कुल अंक– 15,**

पेपर भारतीय साहित्य

1. निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. (i) हुजूर पाया! शमा के करीब परवाना आया।

हम जमाने के उजबक, आसमान ढूँढा किए।

हमारे पहलू में मगर, ईद का चाँद आया।

बहुत किया हमने मुकद्दर से गिला, अब ये काम हमने दुश्मनों को सौंप दिया।

अथवा

पर्वती तरै के रमना में बाम्हनन की भीर भई,
भीर भई, मौत ई मौत भीर भई रमना के
भीतरें पेसवा दच्छिना बाँटन लागे, ब्राम्हन
लडुआ मसकन लागे, रामरौला करन लागे,
गाँठि में दच्छिना खोंसन लागे।

(ii) उस वन के एक विस्तृत भाग में पत्थरों के ढोकों से घिरा हुआ एक बड़ा मठ था। उसे यदि कोई पुरातत्त्ववेत्ता देख पाये तो यही कहेगा कि यह पहले बौद्धों का विहार रहा होगा, पीछे हिन्दुओं का मठ हो गया। अट्टालिका दुमंजिली है बीच में बहुत से देवमन्दिर हैं जिनके सामने नाट्यशाला बनी हुई है। मठ के चारों तरफ दीवार खींची है। बाहर से जंगली वृक्षों की श्रेणी द्वारा ऐसा छिपा हुआ है कि पास जाने पर भी यह मालूम नहीं होता यहाँ पक्का मकान है।

अथवा

रात बीत गयी है। चन्द्रदेव मध्य आकाश में आ गये हैं। आज पूर्णमासी नहीं है। इससे आकाश तेज नहीं है। एक अत्यन्त विस्तीर्ण मैदान के ऊपर उस अन्धकार की छाया से युक्त धुंधली रोशनी पड़ रही है। उस रोशनी में मैदान का आरपार नहीं दिखाई देता। मैदान में क्या है, कौन है नहीं मालूम पड़ता। सारा मैदान अनन्त जनशून्य और डरावना मालूम पड़ रहा है। रास्ते के किनारे एक छोटी–सी पहाड़ी है जिस पर आम आदि के पेड़ लगे हैं। पेड़ों की पत्तियाँ चाँदनी में चमकती हुई हिल रही है।

2. (i)– भारतीय साहित्य का इतिहास लिखिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय साहित्य का विस्तृत परिचय दीजिए।

(ii) – भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ लिखिए।

अथवा

भारतीय साहित्य में संस्कृति का विवेचन किया गया है। विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. (i) भारतीय साहित्य के विविध रूपों का विवेचन कीजिए।

अथवा

भारतीय साहित्य में भक्ति आन्दोलन का विवेचन हुआ है।

(ii) भारतीयता और भारतीय साहित्य का विवेचन कीजिए।

अथवा भारतीय साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'आनन्दमठ' उपन्यास का सार लिखिए।

(ii) बंगला उपन्यास का परिचय दीजिए।

(iii) बंकिमचन्द्र चटर्जी का परिचय

(iv) विजय तेंदुलकर का परिचय

(v) घासीराम कोतवाल की भाषा लिखिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर,

दत्त कार्य–II **कुल अंक– 15**

पेपर भारतीय साहित्य

1. निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

(i) महेन्द्र के चले जाने के बाद कल्याणी बैठी अकेली, कन्या को गोद में लिए हुए, उस जनशून्य अंधेरी कोठरी में चारों तरफ दृष्टि दौड़ा रही थी। उसके जी में बड़ा भय पैदा हो रहा था। कहीं कोई आदमी नहीं, किसी मनुष्य की आहट तक नहीं मिलती, केवल स्यार, कुत्तों का भोंकना, सुनाई पड़ता था।। वह मन ही मन सोच रही थी–मैंने उन्हें क्यों जाने दिया ?

अथवा

वन में निविड़ अंधेरा था, बेचारी कल्याणी को रास्ता नहीं सूझता था। एक तो वृक्षों, लताओं और कुश काँटों की बहुतायत से आप ही रास्ता छिप गया था, दूसरे निविड़ अन्धकार कुश कांटों के बीच से कल्याणी वन में प्रवेश करने लगी। रह–रहकर लड़की के बदन में काँटे चुभ जाते थे। इससे वह रो उठती थी, उसकी आवाज सुनकर डाकू और भी चिल्लाने लगी। इस प्रकार आहत शरीर बालिका को लिए हुए कल्याणी बहुत दूर तक जंगल में चली गई।

(ii) सिर्फ उम्र में ! मगर हम तो भगत हैं। इस मोहिनी मूरत के। दास हैं तो इसी दिलकश सूरत के। तुम्हारी चाँद–सी सूरत हमारे दिल में बस गई है। ये काली जुल्फें, कंटीली चितवन हमें डंस गई हैं। तुम नहीं जानती बेटी कि ये लहलही जवानी फिर नहीं आएगी, ये नशीली बहार कपूर–सी उड़ जाएगी। अरी, तू तो हमारे लिए बेटी की तरह है, पड़ौसी की।

अथवा

हमें तुझ पै प्यार आ रहा है। अहाहा ! ये तुम्हारा शरमाना जान तुम पर निसार है। ये बन्दा ताबेदार है। बस्ल का तलबगार हूँ, तेरे इश्क में प्यारी बेकरार हूँ। मुझसे बेकली सही न जाए। आ मेरे सीने से लग जाए।

2. (i) भारतीय साहित्य के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा आधुनिक भारतीय साहित्य का परिचय दीजिए।

(ii) भारतीयता और भारतीय साहित्य का विवेचन कीजिए।

अथवा

भारतीय साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

3. (i) भारतीय साहित्य के इतिहास का विवेचन कीजिए।

अथवा

भारतीय साहित्य में भक्ति आन्दोलन का विवेचन कीजिए।

(ii) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ लिखिए।

अथवा

भारतीय साहित्य में संस्कृति का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) बंकिमचन्द्र चटर्जी की जीवनी लिखिए।

(ii) 'घासीराम कोतवाल' नाटक का संवाद–योजना चित्रण कीजिए।

(iii) 'घासीराम कोतवाल' का मूल संदेश लिखिए।

(iv) नाना फड़नवीस एक ऐतिहासिक पात्र है या काल्पनिक पात्र है।

(v) 'आनन्दमठ' उपन्यास की मूल संवेदना लिखिए।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा
एम0 ए0 हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर

दत्त कार्य– I **कुल अंक– 15,**

हरियाणा का हिन्दी साहित्य

1. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक है।

अ) बालयुकुन्द गुप्त का जन्म कब हुआ था?

ब) 'भेड़ियों के ढंग' कविता के कवि का नाम बताओ?

स) 'मै तुझसे प्रीत लगा बैठा' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें।

द) 'ठाठ है फकीरी अपना' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें।

इ) 'जिंदगी फूस की झोपड़ी है' कविता में क्या संदेश है?

इकाई–I

2(अ) बालमुकुन्द गुप्त निबन्धावली का उद्देश्य बताएं।

अथवा

(ब) बालमुकुन्द गुप्त की भाषा शैली की विशेषताएं बताओ।

इकाई–II

3(अ) 'अर्धनारीश्वर' रचना का उद्देश्य स्पष्ट करें।

अथवा

(ब) विष्णु प्रभाकर की भाषा शैली की विस्तार से चर्चा करें।

इकाई–III

4(अ) गोपालदास नीरज की भाषा शैली की विशेषताएं बताओ।

अथवा

(ब) 'अपनी बानी प्रेम की बानी कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

इकाई–III

5. मत जियो सिर्फ अपनी खुशी के लिए? कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

अथवा

'कब तक यूँ बहारों में म पतझड़ का चलन रहेगा' कविता की भाषा शैली की विशेषताएं बताओ।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा
एम0 ए0 हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर

दत्त कार्य– II **कुल अंक– 15,**

हरियाणा का हिन्दी साहित्य

1. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक है।

अ) 'जी रहे हैं लोग कैसे आज के वातावरण में कविता के कवि का नाम बताओ।

ब) 'भावनगर से अर्थनगर तक' कविता की भाषा शैली की दो विशेषताएं बताओ।

स) गोपालदास नीरज का जन्म कब और कहां हुआ था?

द) 'ठाठ है फकीरी अपना' कविता की दो विशेषताएं बताओ।

झ) बालमुकुन्द गुप्त की रचनाओं के नाम बताइए।

इकाई–1

2. बालमुकुन्द गुप्त जी का जीवन व साहित्य परिचय दें।

अथवा

बालमुकुन्द गुप्त जी की निबन्धावली में निहित भाव पक्ष की समीक्षा करें।

इकाई–II

3 अर्धनारीश्वर का प्रतिपाद्य स्पष्ट करे।

अथवा

विष्णु प्रभाकर के जीवन व रचनाओं का परिचय दें।

इकाई–III

4. 'प्यार की कहानी चाहिए' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट करे।

अथवा

'चल औद्यट घाट पे यार जरां' कविता की भाषा शैली की आलोचनात्मक समीक्षा करे।

इकाई–IV

5. उदयभानु हंस का जीवन व रचनाओं का परिचय दें।

अथवा

मत जिओ सिर्फ अपनी खुशी के लिए की भाषा शैली

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा
एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर,

दत्त कार्य–I , **कुल अंक– 15**

पेपर हिन्दी नाटक

1. निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

क) मानव कब दानव से भी दुर्दान्त, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर–करूणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो जाएगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए सोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिन्ता किस बात की?

अथवा

धर्मपालित, मगध को उन्माद हो गया है। वह जनसाधारण के अधिकार अत्याचारियों के हाथ में देकर विलासिता का स्वप्न देख रहा है। तुम तो गये नहीं, मैं अभी उत्तरापथ से आ रहा हूँ। गणतंत्रों में सब प्रजा वन्य वीरूध के समान स्वच्छन्द फल–फूल रही है। इधर उन्नत मगध, साम्राज्य की कल्पना में निमग्न हैं।

(ख) "देख, झुरमुट की ओट में चहकने वाले पक्षी का स्वर सर्वथा हर्षगान ही नहीं होता। आपको क्या मालूम कि उस जय–जयकार के पीछे हाहाकार चुपचाप सिसक रहा था। ''

अथवा

दूर वह खण्डहर सोता है, पूरबी सागर के तट पर सुनाती अगणित अथक लहर लोरियाँ जिसको निशि–वासर रेत की सेज सँजोए क्लान्त मौन वह खण्डहर सोता है।

(ग) तुम जिसे भावना कहती हो, वह केवल छलना और आत्म–प्रवंचना है। .....भावना में भावना का वरण किया है .....मैं पूछती हूँ, भावना में भावना का वरण क्या होता है, उससे जीवन की आवश्यकताएँ किस तरह पूरी होती हैं ?.....भावना में भावना का वरण ! है !

अथवा

कैसी आकस्मिक बात है कि ऐसा ही प्रश्न ना चाहता था। हमारा कभी का परिचय नहीं, फिर भी मेरे बाण से आहत हरिण को उठा ले आने में तुम्हें संकोच नहीं हुआ ? यह तो कहो कि द्वार तक रक्त बिन्दुओं के चिह्न बने हैं, अन्यथा इन बादलों से घिरे दिन में तुम्हारा अनुसरण कर पाता ?

2. नाटक के तत्वों पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

अथवा

रंगमंच संबंधी संकल्पना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कार्नेलिया का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ख) 'कोणार्क' नाटक की पात्र योजना पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख पात्रों का संक्षेप में चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

जगदीश चन्द्र माथुर ने 'कोणार्क' की रचना किस उद्देश्य से की है ? इसे तर्क और प्रमाणों से सिद्ध कीजिए।

(ग) मोहन राकेश के नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' का नामकरण सर्वथा सार्थक है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में पात्र व उनका चरित्र–चित्रण तत्व का सफल निर्वाह हुआ है।

4. सभी वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय प्रश्न अनिवार्य हैं :

(क) कालिदास का संक्षिप्त परिचय 'आषाढ़ का एक 2 दिन' नाटक के आधार पर लिखिए।

अथवा

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की भाषा की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'कोणार्क' नाटक का कथानक किस प्रदेश से संबंधित है ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। (घ) 'चन्द्रगुप्त' के द्वितीय अंक के प्रथम दृश्य के अनुसार कार्नेलिया के चिल्लाने पर चन्द्रगुप्त और फिलिप्स के संघर्ष का वर्णन कीजिए।

(ङ) तक्षशिला से मगध लौटने पर चाणक्य का अपने पिता उनको भग्न कुटोर और सुवा सिनी के बारे में क्या पता चलता है ?

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर,

दत्त कार्य–II, **कुल अंक– 15**

पेपर हिन्दी नाटक

1. निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

क) मानव कब दानव से भी दुर्दान्त, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर–करूणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो जाएगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए सोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिंता किस बात की ?''

अथवा

''मेघ के समान मुक्त वर्षा–सा जीवन–दान, सूर्य के समान अबाध आलोक विकीर्ण करना–सागर के समान कामना–नदियों को पचाते हुए सीमा के बाहर न जाना, यही तो ब्राह्मण का आदर्श है।''

(ख) यह मंदिर नहीं सारे जीवन की गति का रूपक है। हमने जो मूर्तियाँ इसके स्तम्भों, इसकी उपपीठ और अधिस्थान में अंकित की हैं, उन्हें ध्यान से देखो। देखते हो, उनमें मनुष्य के सारे कर्म, सारी वासनाएँ, मनोरंजन और मुद्राएँ चित्रित हैं यही तो जीवन है। .

अथवा

कैसा अपूर्ण क्षण होगा वह। मेरी सारी साधना फलीभूत होकर आह्लाद और उन्माद में विलय हो जायगी, धरती और अम्बर मेरे उल्लास को सम्भाल न सकेंगे। कोणार्क का प्रत्येक पत्थर अनन्य रागिनी को प्रतिध्वनित करेगा और शिल्पी के गौरव के आगे सारे संसार की समृद्धि नत–मस्तक होगी.....।

(ग) जिसे तुम भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्मप्रवंचना हैं .....भावना में भावना का वरण किया है। .....मैं पूछती हूँ भावना में भावना का वरण क्या होता है ? उससे जीवन की आवश्यकताएँ किस तरह पूरी होती हैं ? ..... भावना में आवश्यकताएँ किस तरह पूरी होती है ? .....भावना में भावना का वरण हूँ।

अथवा

राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक–एक क्षण का महत्त्व है। कभी एक क्षण के लिए भी चूक जाए, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है, राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है।

अथवा

2. नाटक से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रंगमंच संबंधी संकल्पना पर उदाहरणों सहित प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(i) चन्द्रगुप्त' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चन्द्रगुप्त' नाटक के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'कोणार्क' नाटक की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कोणार्क' नाटक की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए।

(iii) अभिनेयता की दृष्टि से 'आषाढ़ का दिन' का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

''मल्लिका की अनन्यता एवं सात्त्विक प्रेम ही 'आषाढ़ का एक दिन' की महत्ती उपलब्धि है।'' इस कथन के आलोक में मल्लिका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

4. सभी वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय प्रश्न अनिवार्य हैं :.

(i) नाटक में नायक के कितने प्रकार बताए गए हैं ?

(ii) मोहन राकेश के नाटकों के नाम लिखिए।

(iii) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की कथा किस प्रसंग पर आधारित है ?

(iv) चन्द्रगुप्त नाटक सुखान्त है या दुखान्त है–स्पष्ट कीजिए।

(अ) 'कोणार्क' मंदिर किस देवता को समर्पित है तथा कहाँ पर स्थित है ?

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर,

दत्त कार्य–I **कुल अंक– 15**

पेपर प्रेमचंदः एक विशेष अध्ययन

1. निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

अ) जालपा के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए।

ब) 'बड़े घर की बेटी' कहानी में व्यक्त नारी–अस्मिता।

(स) 'स्वराज्य के फायदे' निबंध का मूल भाव संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

(द) 'कफन' कहानी के मूल स्वर को स्पष्ट कीजिए।

(इ) प्रेमचंद के जीवन परिचय को संक्षेप में लिखिए।

इकाई I

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(अ) रामानाध का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

''प्रेमचंद उपन्यास सम्राट है। '' सिद्ध कीजिए।

(ब) 'बड़े घर की बेटी' कहानी में व्यक्त पारिवारिक संवेदना को व्यक्त कीजिए।

इ

'कफन' कहानी की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(स) 'आजादी की लड़ाई' निबंध का सार लिखिए।

अथवा

प्रेमचंद की निबंध कला पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) दीनदयाल जब भी प्रयाग जाते, तो जालपा के लिए कोई ना कोई आभूषण जरूर लाते। उनकी व्यवहारिक बुद्धि में यह विचार ही न आता था कि जालपा किसी और चीज से भी अधिक प्रसन्न हो सकती है। गुड़िया और खिलौने वह व्यर्थ समझते थे, इसीलिए जालपा आभूषणों से ही खेलती थी, यही उसके खिलौने थे।

अथवा

महाशय दिनदियाल प्रयाग के छोटे–से गाँव में रहते थे। वह किसान न थे पर खेती करते थे। वह जमींदार न थे पर जमींदारी करते थे। थानेदार न होने पर थानेदारी करते थे। वह थे जमींदार के मुख्तार। गांव पर उन्हीं की धाक थी। जालपा उन्हीं की लड़की थी। पहले उसके तीन भाई और थे, पर इस समय वह अकेली थी।

(ब) हामिद जो कि शरीर से बहुत ही दुबला पतला

लड़का था जिसके पिता की मृत्यु हैजे से हो गयी थी जबकि उसकी अम्मी भी न जाने किस पीलिये की रोग की वजह से मर गयी थी और इस तरह हामिद के लालन पालन का पूरा भार उसकी दादी पर आ गया था जिसकी वजह से उसकी दादी कमरे के एक कोने में बैठकर सुबह से ही रो रही थी और सोच रही थी कि आज अगर उसका बेटा जिन्दा होता तो क्या घर में सेवईया नहीं बनतीं या उसके पोते हामिद को वह मेले नहीं दिखाने ले जाता, यही सब बातें थीं जो कहीं न कहीं हामिद की दादी को अंदर ही अंदर दिल पर बैठती जा रही थीं। आखिर वह चाहकर भी तो कुछ नहीं कर सकती थी क्यूँकि घर में खाने के लिए एक दाना भी तो न था।

अथवा

सबेरे माधव ने कोठरी में जाकर देखा, तो उसकी स्त्री ठण्डी हो गयी थी। उसके मुंह पर मक्खियाँ भिनक रही थीं। पथराई हुए आँखें ऊपर टंगी हुई कि थीं। सारी देह धूल से लथपथ हो रही थी। उसके पेट में बच्चा मर गया था।

(स) 'अहिंसा परमो धर्म' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्'

यह दो सूत्र हमारी संस्कृति के मूल तत्व हैं और इस अवस्था में हम उन्हें अपनाए हुए हैं। यद्यपि अनेक कारणों से उस संस्कृति का रूप निकृत हो गया है, उसमें असंख्य बुराइयाँ घुस गई हैं, यहाँ तक कि अब उसका रूप पहचाना नहीं जा सकता, फिर भी यह तत्व प्रकाश स्तंभों की भांति अब भी प्रतिकूल दशाओं का सामना करते हुए खड़े हैं। बहुत कुछ खो चुकने पर भी, अब तक हमने जो कुछ रह गया है, वह उन्हीं प्रकाश स्तंभों का प्रसाद है। अन्यथा अब हमारी नौका न जाने कब की भंवर में पड़कर डूब चुकी होती।

अथवा

'अगर कोई आदमी झूठ, छल, कपट, धूर्तता, बेईमानी का भीषण नाटक देखना चाहे तो उसे एक बार अदालत में जाना चाहिए। वहाँ ऐसे–ऐसे घृर्णोत्पादक दृश्य देखने में आएंगे कि उसकी आंखे खुल जाएंगी और मानवीय दुर्बलता, दुष्टता तथा नीचता का विकट अनुभव हो जाएगा।'

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा
एम0 ए0 हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर

दत कार्य–II **कुल अंक– 15**

पेपर प्रेमचंद–एक विशेष अध्ययन

1. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक है।

अ) जालपा गबन उपन्यास की नायिका है कि नहीं सिद्ध करें।

ब) बड़े घर की बेटी 'कहानी की भाषा शैली

स) कथन कहानी की संवाद योजना पर प्रकाश डालो।

द) प्रेमचंद की भाषा शैली की दो विशेषताएं बताओ।

इ) अनुवाद के कोई दो गुण बताओ।

इकाई–I

2(अ) उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'गबन' उपन्यास की समीक्षा करें।

अथवा

(ब) जालपा का चरित्र चित्रण करें।

इकाई–II

3(अ) कहानी के तत्वों के आधार पर बड़े घर की बेटी कहानी की समीक्षा करें।

अथवा

(ब) 'कफन' कहानी में निहित सामाजिक संवेदना पर प्रकाश डालिए।

इकाई–III

4(अ) 'आजादी की लड़ाई' निबंध की भाषा शैली पर प्रकाश डालो।

अथवा

(ब) प्रेमचंद की भाषा शैली पर प्रकाश डालो।

इकाई–IV

सप्रसंग व्याख्या करें

5 बेनीमाधव सिंह गौरीपुर गाँव के जमींदार और नम्बरदार थे। उनके पितामह किसी समय बड़े धन–धान्य संपन्न थे। गाँव का पक्का तालाब और मंदिर जिनकी अब मरम्मत भी मुश्किल थी, उन्हीं के कीर्ति सतम्भ थे। कहते हैं इस दरवाजे पर हाथी झूमता था, अब उसकी

जगह एक बूढ़ी भैंस थी, जिसके शरीर में अस्थि पंजर के सिवा और कुछ शेष न रहा था, पर दूध शायद बहुत देती थी, क्योंकि एक न एक आदमी हौडी लिए उसके सिर पर स्बबर ही रहता था।

अथवा

आनंदी एक बड़े उत्य कुल की लड़की थी। उसके बाद एक छोटी–सी रियासत के ताल्लुकेदार थे। विशाल भवन, एक हाथी, तीन कुते, बाज, बहरी–शिकरे, झाड़–फानूस, आनेश्री मजिस्ट्रेट और ऋण, जो एक प्रतिष्ठित ताल्लुकेदार के भोग्य पदार्थ, सभी यहां विधमान थे।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

एम0 ए0 हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर

दत कार्य–I

महादेवी वर्मा

1. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक है।

अ) महादेवी वर्मा का जन्म कब हुआ?

ब) श्रृंखला की कड़ियाँ किस विद्या की रचनाएं हैं?

स) महादेवी वर्मा की रहस्य रचना का एक उदाहरण बताओ।

द) अच्छे संस्मरण की दो विशेषताएं बताओ।

झ) 'मेरा परिवार' के रचनाकार का नाम बताओ।

इकाई–1

2. महादेवी वर्मा की रचना 'संधिनी' की काव्यगत विशेषताएं बताओ।

अथवा

संधिनी काव्य संग्रह की रचनाओं का मूल स्वर स्पष्ट करें।

इकाई–II

3 महादेवी वर्मा की रचना 'श्रृंखला की कड़िया' प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

अथवा

'श्रृंखला की कड़ियाँ' की भाषा शैली के बारे में विस्तार से बताओ।

इकाई–III

4. 'अतीत के चलचित्र' रेखाचित्र की विशेषताएं बताओ।

अथवा

'अतीत के चलचित्र' का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

इकाई–IV

5. संस्मरण किसे कहते हैं? संस्मरण के तत्वों के आधार पर 'मेरा परिवार' की समीक्षा करें।

अथवा

'मेरा परिवार' संस्मरण की भाषा शैली की विशेषताएँ बताओ।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा
एम0 ए0 हिन्दी (द्वितीय वर्ष) चतुर्थ सेमेस्टर
दत कार्य–II
महादेवी वर्मा

1. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक है।

अ) 'मेरा परिवार' किस विधा की रचना है?

ब) महादेवी वर्मा की कविता में गीति तत्व का उदाहरण दो।

स) महादेवी वर्मा की कविताओं में यमक अलंकार का उदाहरण दो।

द) महादेवी वर्मा की काव्य रचना की दो विशेषताएं बताओ।

झ) महादेवी वर्मा के दो निबंध संग्रहों के नाम बताओ।

इकाई–1

2. 'संघिनी' की भाषा शैली की विशेषता बताओ।

अथवा

महादेवी वर्मा की काव्य कला की आलोचनात्मक समीक्षा करें।

इकाई–II

3 'श्रृंखला की रचना' किस विधा की रचना है? आलोचनात्मक व्याख्या करें।

अथवा

महादेवी वर्मा की रचना श्रृंखला की कड़िया में निहित सामाजिक पक्ष का चित्रण करें।

इकाई–III

4. 'अतीत के चलचित्र' रेखाचित्र की भाषा शैली की विशेषताएं बताओ।

अथवा

रेखाचित्र किसे कहते हैं? उदाहरण परिभाषा भी बताएं

इकाई–IV

5. 'मेरा परिवार' संस्करण का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

अथवा

'मेरा परिवार' में निहित सामाजिक भावना स्पष्ट करें।

CHAUDHARY DEVI LAL UNIVERSITY, SIRSA
UNIVERSITY CENTRE FOR DISTANCE LEARNING
ASSIGNMENT FOR SESSION 2020-21
Social Media

Assignment I

MM: 15

पांच प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य है।

Question No. 1

a) Society
b) Media and Social Problems
c) Twitter
d) Snap Chat
e) Multi Media
f) ICT

Q 2. Discuss the need an importance of Social Media.

OR

What do you understand by Citizen Journalism? Explain your answer with the help of suitable example.

Q3 Discuss the merits and demerits of Social Media platforms.

OR

Write a detailed note on Dynamic of Social Media Networks?

Q4 Write an essay on Media as Social reformer .

OR

Do you think that Media play vital role in developing the scientific temperament among society.

Q5 Write a detailed note on Social Media accountability.

OR

Discuss the importance of Cyber Laws.

CHAUDHARY DEVI LAL UNIVERSITY, SIRSA
UNIVERSITY CENTRE FOR DISTANCE LEARNING
ASSIGNMENT FOR SESSION 2020-21
Social Media

Assignment II

MM: 15

पांच प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य है।

Question No. 1

a) ICT Policy
b) Citizen Journalism
c) Blocks
d) You Tube
e) Copyright
f) Media and rising crime

Q 2. Define Social Media and discuss its importance for society.

OR

Write a detailed note on latest trends in the field of Social Media.

Q3 Discuss the silent features of online communities.

OR

Write a detailed note on impact of social Media on youth.

Q4 Write an essay on Social Media and Violence.

OR

Write a detailed note on the process of Multimedia story telling.

Q5 Write a detailed note on security and privacy concerns in the field of Social Media.

OR

Write an essay on role of Social Media in nation building.